# शुभं करोति (दीप ज्योति प्रार्थना)

**इन पाठों के बारे में**

| | |
|---|---|
| स्रोत | हर पाठ अपने स्रोत, परम्परा और संस्करण के साथ छपा है। अन्य परम्पराओं और संस्करणों में शब्दों में थोड़ा अन्तर हो सकता है। |
| लिप्यन्तरण | रोमन पंक्ति देवनागरी से बना IAST लिप्यन्तरण है (ā = दीर्घ आ, ṃ = अनुस्वार, ḥ = विसर्ग, ś/ṣ = श/ष, c = च)। हिन्दी, अवधी और ब्रज पाठों में शब्द के अन्त का मौन 'अ' नहीं लिखा जाता। लिप्यन्तरण में वैदिक स्वर नहीं दिखते। |

## शुभं करोति (दीप ज्योति प्रार्थना)

| | |
|---|---|
| प्रकार | दैनिक प्रार्थना |
| संस्करण | प्रचलित पाठ |
| परम्परा | अनेक परम्पराओं में प्रचलित |
| स्रोत | पारम्परिक भक्ति पाठ (प्रचलित मुद्रित एवं मौखिक रूप) — Traditional verses |
| आभार | पारम्परिक; सार्वजनिक। |

शुभं करोति कल्याणम् आरोग्यं धनसम्पदा ।

śubhaṃ karoti kalyāṇam ārogyaṃ dhanasampadā |

शत्रुबुद्धिविनाशाय दीपज्योतिर्नमोऽस्तु ते ॥

śatrubuddhivināśāya dīpajyotirnamo'stu te ||

दीपज्योतिः परब्रह्म दीपज्योतिर्जनार्दनः ।

dīpajyotiḥ parabrahma dīpajyotirjanārdanaḥ |

दीपो हरतु मे पापं दीपज्योतिर्नमोऽस्तु ते ॥

dīpo haratu me pāpaṃ dīpajyotirnamo'stu te ||

### अर्थ

शुभ और कल्याण, आरोग्य और धन-सम्पदा देने वाली तथा शत्रु-बुद्धि का नाश करने वाली दीप-ज्योति को नमस्कार। दीप-ज्योति परब्रह्म है, जनार्दन है; दीपक मेरे पापों को हर ले।



स्रोत-सहित पारम्परिक पाठ। किसी निश्चित परिणाम का दावा नहीं।

## इस दस्तावेज़ के बारे में

इस दस्तावेज़ के पाठ सार्वजनिक (पब्लिक डोमेन) पारम्परिक भक्ति पाठ हैं या हमारी टीम द्वारा लिखे गए हैं, और अपने दर्ज स्रोत व संस्करण के साथ छपे हैं।

अर्थ हमारे शब्दों में संक्षिप्त व्याख्याएँ हैं, विद्वत्तापूर्ण अनुवाद नहीं। किसी पाठ के अपने श्लोकों में बताए लाभ पाठ का अंश हैं, गारण्टी नहीं।

कुछ साधनाएँ परम्परा से गुरु-मार्गदर्शन में की जाती हैं। अपनी परम्परा के मार्गदर्शन का पालन करें।